भाखडा ब्यास प्रबन्ध बोर्ड

सैक्टर 19 बी, चण्डीगढ़-160019

प्रैस विज्ञप्ति दिनांक : 15.12.2015

विषयः बीबीएमबी द्वारा मॉक ब्लैक आऊट का अभ्यास

चण्डीगढ़ : देश में तीसरी वृहद अधिष्ठापित हाइड्रो विद्युत क्षमता (2919 मैगावाट) वाली बीबीएमबी के विद्युत गृह ने उत्तरी विद्युत ग्रिड के बैक बोन के रूप में कार्य किया है। तथापि किसी ब्लैक आउट अथवा ग्रिड विफलता से निपटने के लिए निरन्तर तैयारी एवं चौकसी की आवश्यकता होती है। इस उद्देशय से बीबीएमबी द्वारा श्री एस.के. शर्मा, अध्यक्ष, बीबीएमबी एवं श्री वी.के. कालरा, सदस्य, विद्युत, बीबीएमबी की मॉनिटरिंग में और उत्तरी क्षेत्र लोड डिस्पैच सैंटर (एनआरएलडीसी), पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान एवं यू.टी. चण्डीगढ़ के नजदीकी समन्वय के अन्तर्गत एक मॉक ब्लैक ड्रिल स्टार्ट का अभ्यास किया गया। ब्लैक आउट का अनुकरण करने के लिए ग्रिड के एक भाग को अलग किया गया और स्टार्टअप पावर की आपूर्ति स्वतः संचालित भाखड़ा दायां किनारा विद्युत गृह द्वारा की गई। सप्लाई को आगे मेन नोड्स जैसे गंगूवाल में रोपड थर्मल पावर स्टेशन हेतु, पानीपत, में पानीपत थर्मल पावर स्टेशन एवं रेलवे ट्रेरक्शन हेतु और धूलकोट में चण्डीगढ़ (पीजीआई) इत्यादि के लिए सप्लाई आगे बढाई गई तत्पश्चात् अलग की गई प्रणाली को मेन ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजड किया गया। ब्लैक आऊट ड्रिल के सफलतापूर्वक निष्पादन के

लिए इंजीनियरों को बधाई देते हुए श्री वी.के. कालरा ने कहा कि ऐसे मॉक अभ्यास आकस्मिकताओं का निरन्तर प्रतिक्रिया देने हेतु सिस्टम को मजबूत बनाने, विश्वास बढ़ाने और इन्टर एजेंसी समन्वय में सुधार करने की दिशा में सहयोग देते हैं। इस अवसर पर ग्रिड में आई बाधाओं को प्रथमतः दूर करने में ग्रिड का शीघ्र रेस्टोरेशन सुगम बनाने में भाखड़ा दायां किनारा पावर हाऊस की तारकीय भूमिका को भी याद किया गया।